Mahila college Dalmianagar
Department of History
B.A III (Hons)

Dr. Anu kumari
Date:- 8/02/2024

बक्सर का युद्ध 1764

=> बक्सर का युद्ध 22-23 oct 1764 में बक्सर नगर के आस-पास ईस्ट इंडिया कंपनी के सेनापति हैक्टर मुनरो और मुगल तथा नवाबों (मीर कासिम और शुजाउद्दौला) की संयुक्त सेनाओं के बीच लड़ा गया था। बक्सर के युद्ध में बंगाल के नवाब मीर कासिम, अवध के नवाब शुजाउद्दौला, तथा मुगल बादशाह शाह आलम द्वितीय की संयुक्त सेना अंग्रेज ईस्ट इंडिया कम्पनी के विरुद्ध थी। इस युद्ध में ईस्ट इंडिया कंपनी की विजय हुई। जिसके परिणामस्वरूप वर्तमान बंगाल, बिहार, झारखंड उड़ीसा और बांगलादेश का दीवानी और राजस्व अधिकार ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के हाथों में चला गया था।

बक्सर का युद्ध - पृष्ठ भूमि

बंगाल में अपने हितों की पूर्ति करने के लिए अंग्रेज बंगाल पर अपने अनुसार नवाबों को बैठाते थे। अंग्रेजों ने सबसे पहले 1757 के प्लासी के युद्ध में सिराजुद्दौला को पराजित किया था।

उसके स्थान पर मीर जाफर को बंगाल का नवाब बनाया था। मीर जाफर अंग्रेजों की कठपुतली था, लेकिन बाद में जब मीर जाफर ने अंग्रेजों की बात मानने से मना कर दिया, तब उन्होंने मीर जाफर को नवाब पद से हटाकर मीर कासिम को बंगाल का नवाब बना दिया। मीर कासिम एक योग्य नवाब था। वह अंग्रेजों के हाथ की कठपुतली बनकर नहीं रहना चाहता था। उसने कुछ समय एक योग्य बाद अपनी स्थिति को मजबूत किया। जिस कारण अंग्रेज मीर कासिम से खफा हो गए थे और उन्होंने 1763 ई० में मीर कासिम के स्थान पर फिर से मीर जाफर को बंगाल का नवाब बना दिया। नवाब पद से हटाए जाने के बाद मीर कासिम और अंग्रेजों के बीच अनेक स्थानों पर झड़प हुई। परन्तु 1763 ई० में पटना में हुए एक हत्याकांड में मीर कासिम ने अनेक अंग्रेजों को मौत के घाट उतार दिया था। अतः मीर कासिम ने अवध में जाकर शरण ली। उस समय अवध का नवाब शुजाउद्दौला था और तत्कालीन मुगल बादशाह शाह आलम द्वितीय भी उस समय अवध में ही शरण लिए हुए था।

बक्सर का युद्ध : घटनाक्रम

* मीर कासिम ने अवध पहुँचकर अवध के नवाब शुजाउद्दौला और मुगल बादशाह शाह आलम द्वितीय

Scanned with CamScanner

के साथ मिलकर एक सैन्य संगठन का निर्माण किया और उन्हें इस बात के लिए तैयार किया कि उन तीनों की संयुक्त सेना मिलकर अंग्रेजों के विरुद्ध युद्ध करेंगी।

* इन तीनों पक्षों की संयुक्त सेना 22 Oct, 1764 को बिहार के आरा जिले में स्थित बक्सर के मैदान में आ पहुँची। इस संयुक्त सेना का मुकाबला करने के लिए अंग्रेजों की तरफ से भी हेक्टर मुनरो के नेतृत्व में एक सेना पहुँच गई। बक्सर के युद्ध के दौरान बंगाल का गवर्नर वेंसिटार्ट था।

बक्सर का युद्ध का परिणाम

बक्सर युद्ध के अनेक परिणाम थे जो इस प्रकार से हैं।

1) बक्सर युद्ध में विजय हासिल करने के बाद में अंग्रेजों ने रॉबर्ट क्लाइव को पुनः बंगाल का गवर्नर बनाकर भेजा क्योंकि रॉबर्ट क्लाइव अपने पहले कार्यकाल के दौरान बंगाल का अनुभव प्राप्त कर चुका था और उसे वहाँ की परिस्थितियों की समझ थी। इस कदम का उद्देश्य यह था कि बक्सर के युद्ध के बाद होने वाली इलाहाबाद की संधि में अंग्रेजों के लिए अधिक से अधिक लाभ सुनिश्चित किया जा सके।

2) बक्सर के युद्ध के दौरान बंगाल का नवाब की तरफ से रॉबर्ट क्लाइव ने पराजित पक्ष से इलाहाबाद की

Scanned with CamScanner

=> बक्सर के युद्ध के दौरान का नवाब मीर जाफर था, लेकिन फरवरी 1765 में मीर जाफर की मृत्यु हो गई थी। इसके बाद अंग्रेजों ने मीर जाफर के पुत्र नजमुद्दौला को बंगाल का नवाब बना दिया था। नजमुद्दौला एक अल्पवयस्क नवाब था, इसलिए उसकी सुरक्षा के लिए अंग्रेजों ने बंगाल में एक सेना नियुक्त की और उसके खर्च के लिए नजमुद्दौला ने प्रतिवर्ष 5 लाख रुपए अंग्रेजों को देना स्वीकार किया।

=> बक्सर की युद्ध के बाद अंग्रेजो की तरफ से रॉबर्ट क्लाइव ने पराजित पक्ष से इलाहाबाद की दो संधियाँ की थी। इलाहाबाद की पहली संधि तत्कालीन मुगल बादशाह शाह आलम द्वितीय के साथ की गई थी, जबकि इलाहाबाद की दूसरी संधि अवध के पराजित नवाब शुजाउद्दौला के साथ की गई।

बक्सर युद्ध संधियों के परिणाम -

1) इलाहाबाद के संधि के परिणाम स्वरूप अंग्रेजो को बंगाल, बिहार और उड़ीसा में राजस्व वसूल करने के कानूनी अधिकार प्राप्त हो गए थे। इसके बाद अंग्रेजों को अब भारत में अपना व्यापार करने के लिए ब्रिटेन से राशि या अन्य कीमती धातुएँ लाने की आवश्यकता नहीं रह गई थी।

Scanned with CamScanner

ग) अब अंग्रेज बंगाल, बिहार, और उड़ीसा की दीवानी से वसूली गई राशि के माध्यम से ही भारत से सस्ती दरों पर वस्तुएँ खरीदते थे और उन्हें ब्रिटेन के बाजार में महंगे दाम पर बेच देते थे। इससे कंपनी को भारी मुनाफा होता था।

इस प्रकार बक्सर के युद्ध से ना सिर्फ भारत में अंग्रेजों के औपनिवेशिक शासन की स्थापना हुई, बल्कि भारत की अबाध्य लूट का दौर भी शुरू हुआ। इस ऐतिहासिक युद्ध के बाद भारत अनवरत गरीबी की ओर बढ़ता गया। बक्सर के युद्ध का ही परिणाम था कि भारत की गरीबी की कीमत पर ब्रिटेन की समृद्ध साकार हुई।

Scanned with CamScanner